

Acharya Jm Jyotish Falit codemo (288)

Set No. 1

Question Booklet No. 00065

17P/253/17

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words)

2017

126.

Serial No. of OMR Answer Sheet

Day and Date

(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only **blue/black ball-point pen** in the space above and on both sides of the **Answer Sheet**)

1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope*.
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only **OMR Answer Sheet** at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages : 24

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिये गए हैं।]

105,

SEAL



collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

17P/253/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

• 351

Acharya in Jyotish Falit code No. (288)

२०१७

17P/253/17

No. of Questions : 120

प्रश्नों की संख्या : 120

Time : 2 Hours

Full Marks : 360

समय : 2 घण्टे

पूर्णाङ्क : 360

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries 3 (Three) marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

01. जैमिनिसूत्रमङ्गलाचरणे "उपदेशं व्याख्यास्यामः" अत्र "उपदेश" शब्दस्य कोऽर्थः?

- | | |
|--------------|-----------------|
| (1) मथुरायाम | (2) पुर्याम |
| (3) काश्याम | (4) शृंगेर्याम् |

02. वास्तुमण्डले ब्रह्मस्थानम् कुत्र भवति ?

- | | |
|------------|-------------|
| (1) पूर्वे | (2) पश्चिमे |
| (3) उत्तरे | (4) मध्ये |

17P/253/17

03. चन्द्रस्य रत्नम् अस्ति—

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) माणिक्यम् | (2) मुक्ता |
| (3) विद्रुमम् | (4) वैदूर्यम् |

04. सूर्यः अधिपः अस्ति—

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) सिंहस्य | (2) मेषस्य |
| (3) तुलायाः | (4) कर्कस्य |

05. भौमस्य उच्चराशिः अस्ति—

- | | |
|--------------|-----------|
| (1) वृश्चिकः | (2) मेषः |
| (3) मकर | (4) कर्कः |

06. कृष्णपक्षान्ते तिथिः भवति—

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) प्रतिपदा | (2) पूर्णिमा |
| (3) अमावस्या | (4) अष्टमी |

07. प्रतिपत्तिथेः स्वामी भवति—

- | | |
|------------|-------------|
| (1) वह्निः | (2) ब्रह्मा |
| (3) गौरी | (4) गणेशः |

08. चरसंज्ञकनक्षत्रमस्ति—

- | | |
|------------|-------------|
| (1) श्रवणः | (2) भरणी |
| (3) रेवती | (4) अश्विनी |

09. विष्टेः अपरं नाम अस्ति-

- | | |
|-----------|-----------|
| (1) उग्रः | (2) भद्रा |
| (3) पापः | (4) काली |

10. दिवसाधियाः सूर्य सिद्धाते कस्मात् निर्धारिताः?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) सूर्यात् | (2) मन्दात् |
| (3) गुरुतः | (4) चन्द्रात् |

11. पौष मासस्य नाम कस्मत् नक्षगात् निर्धारितम् ?

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) पुनर्वसु | (2) रेवती |
| (3) पुष्य | (4) आश्लेषा |

12. नारदमतेन अभुक्तमूलमानम् किम् ?

- | | |
|------------|--------------------|
| (1) घटीगयम | (2) घटिकाचतुष्टयम् |
| (3) एकघटी | (4) दशघटी |

13. एकस्मिन् वर्षे सङ्कालयः भवन्ति-

- | | |
|-------------|------------|
| (1) विंशति | (2) सप्त |
| (3) चतुर्दश | (4) द्वादश |

14. दर्श नाम्ना का तिथिः उच्यते ?

- | | |
|----------|--------------|
| (1) अमा | (2) पूर्णिमा |
| (3) नवमी | (4) पञ्चमी |

17P/253/17

15. इन्द्र नाम्ना कस्य नक्षत्रस्य ग्रहणम् भवति?
- | | |
|--------------|-------------|
| (1) रेवती | (2) अश्विनी |
| (3) ज्येष्ठा | (4) मूलः |
16. सप्तविंशतियोगेषु अशुभयोगः भवति-
- | | |
|-------------|-------------|
| (1) सिद्धिः | (2) साध्य |
| (3) शुभः | (4) वैधृतिः |
17. शनिवासरे सर्वप्रथमम् होरा भवति-
- | | |
|--------------|------------|
| (1) सूर्यस्य | (2) शनेः |
| (3) गुरोः | (4) बुधस्य |
18. समराशौ प्रथमा होरा भवति (षड्वर्गे)
- | | |
|---------------|--------------|
| (1) चन्द्रस्य | (2) सूर्यस्य |
| (3) शनेः | (4) गुरोः |
19. मेषराशौ नवांशक्रमः प्रारम्भ्यते-
- | | |
|------------|------------|
| (1) कर्कतः | (2) सिंहतः |
| (3) मेषात् | (4) मृगात् |
20. मेषराशौ अन्तिमः द्वादशांशः भवति-
- | | |
|------------|------------|
| (1) मीनस्य | (2) मेषस्य |
| (3) वृषस्य | (4) मकरस्य |

21. सन्धिस्थे ग्रहे फलं भवति-

- | | |
|-------------|-----------------|
| (1) पूर्णम् | (2) शून्यम् |
| (3) अर्धम् | (4) चतुर्थांशम् |

22. विमण्डले भवृत्तस्य सम्पातः कथ्यते-

- | | |
|----------|---------------|
| (1) पातः | (2) क्रान्तिः |
| (3) शरः | (4) लम्बनम् |

23. षड्भिः प्राणैः भवति-

- | | |
|----------|------------|
| (1) नाडी | (2) विनाडी |
| (3) कला | (4) विकला |

24. अमान्तादमान्तावधि मासो भवति-

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) सौरः | (2) सावनः |
| (3) चान्द्रः | (4) नाक्षत्रः |

25. सङ्क्रान्तिकायादुभयत्र पुण्याः नाऽयः भवन्ति-

- | | |
|----------|----------|
| (1) षोडश | (2) दश |
| (3) पञ्च | (4) सप्त |

26. असङ्क्रान्तिमास भवति-

- | | |
|---------------|-------------|
| (1) क्षयमासः | (2) अधिमासः |
| (3) पूर्णमासः | (4) सौरमासः |

17P/253/17

27. क्षयमाकः भवति-

- | | |
|---------------------|-----------------|
| (1) कार्तिकादित्रये | (2) चैत्रादौ |
| (3) वैशाखे | (4) पौषादित्रये |

28. मूर्तामूर्तौ भेदद्वयमस्ति-

- | | |
|----------------|-----------|
| (1) कालस्य | (2) तिथेः |
| (3) नक्षत्रस्य | (4) राशेः |

29. मनवः भवन्ति-

- | | |
|------------|-------------|
| (1) द्वादश | (2) चतुर्दश |
| (3) दश | (4) एकादश |

30. एकम् मन्वन्तरम् भवति-

- | | |
|----------------|---------------------|
| (1) एकयुगस्य | (2) सप्ततियुगानां |
| (3) युगत्रयस्य | (4) एकसप्ततियुगानां |

31. केन्द्रत्रिकोणाधिययोरेकत्वे ग्रहः भवति-

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) योगकारकः | (2) मारकः |
| (3) सबला | (4) निर्बलः |

32. अष्टमम् स्थानम् भवति-

- | | |
|--------------|------------|
| (1) आयुषः | (2) धनस्य |
| (3) पुत्रस्य | (4) देहस्य |

33. उडुदायप्रदीपः कस्य ग्रन्थस्य नाम-

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (1) जेमिनिसूत्रस्य | (2) लघुपाराशर्याः |
| (3) गोलपरिमासायाः | (4) होराशास्त्रस्य |

34. गणेशदेवज्ञ रचितः ग्रन्थोऽस्ति-

- | | |
|------------------|--------------|
| (1) जातकालङ्कारः | (2) सारावली |
| (3) मुहूर्तसार | (4) होरारलम् |

35. मेषराशो दृष्टिसाधने सूत्रमस्ति-

- | | |
|---------------------------|------------------------------------|
| (1) तन्निष्ठाश्च तद्वत् | (2) अभिपश्यन्तृक्षानि पार्श्वकेच |
| (3) उपदेशं व्याख्यास्यामः | (4) दारभाग्यशूलस्थार्गसा निध्यातुः |

36. चरराशिः वर्तते-

- | | |
|----------|-------------|
| (1) वृषः | (2) मिथुनम् |
| (3) मेषः | (4) मीनः |

37. मिस्वभावरशयः कति सन्ति-

- | | |
|-------------|------------|
| (1) पञ्च | (2) षट् |
| (3) चत्वारः | (4) त्रयम् |

38. नवांशमानम् भवति-

- | | |
|------------|---------|
| (1) 3°-20' | (2) 15° |
| (3) 10° | (4) 5° |

17P/253/17

39. एकराशो प्रेष्काणसंख्या भवति-

- | | |
|--------|-------|
| (1) 4 | (2) 5 |
| (3) 12 | (4) 3 |

40. शनेः उच्चराशिः अस्ति-

- | | |
|----------|------------|
| (1) तुला | (2) मेषः |
| (3) मकरः | (4) कुम्भः |

41. गुरोः मूलत्रिकोण राशिः अस्ति-

- | | |
|-----------|----------|
| (1) मीनः | (2) धनुः |
| (3) कर्कः | (4) मकरः |

42. बुधस्य नीचराशिः अस्ति-

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) कन्या | (2) मिथुनम् |
| (3) मीनः | (4) वृषभः |

43. शनेः शत्रुः वर्तते-

- | | |
|------------|-----------|
| (1) सूर्यः | (2) बुधः |
| (3) गरुः | (4) राहुः |

44. राहुदोषम् को ग्रहः नाशयति ?

- | | |
|------------|-----------|
| (1) बुधः | (2) शनिः |
| (3) सूर्यः | (4) केतुः |

45. लाजावर्तरत्नम् कस्य कृते धार्यते ?

- | | |
|-------------------|----------------|
| (1) गुरोः | (2) राहूकत्वोः |
| (3) शनि चन्द्रयोः | (4) बुधस्य |

46. वराहेण रचितम्-

- | | |
|---------------|-------------------|
| (1) लघुजातकम् | (2) जैमिनिसूत्रम् |
| (3) पञ्चस्वरा | (4) लघुपाराभरी |

47. प्रश्नशास्त्रे प्रत्यक्ष स्नेहदा दृष्टिः भवति-

- | | |
|-----------------|--------------|
| (1) सप्तमे | (2) चतुर्थे |
| (3) लग्नद्वादशे | (4) नवपञ्चमे |

48. शनेः विशेष दृष्टिः भवति-

- | | |
|----------|---------|
| (1) 3-10 | (2) 4-8 |
| (3) 9-5 | (4) 1-7 |

49. सर्वेग्रहाः पूर्णदृष्ट्या पश्यन्ति-

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) पञ्चमम् | (2) नवमम् |
| (3) चतुर्थम् | (4) सप्तमम् |

50. चतुर्धाष्टमम् पूर्णदृष्ट्या पश्यति-

- | | |
|-----------|------------|
| (1) गुरुः | (2) शनिः |
| (3) भौमः | (4) सूर्यः |

17P/253/17

51. जातकपरिजात ग्रन्थस्य रचयिता अस्ति-

- | | |
|--------------|---------------------------|
| (1) नीलकण्ठः | (2) पाराशरः |
| (3) व्यासः | (4) श्री बैद्यनाथ दैवज्ञः |

52. लङ्कादिकृष्णासरिदना भागः वर्तते-

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) आरस्य | (2) सौम्यस्य |
| (3) ईज्यस्य | (4) सौरः |

53. षष्ठेऽष्टमे चन्द्रे भवति-

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (1) राजयोगः | (2) अरिष्टयोगः |
| (3) दीर्घायु योगः | (4) मध्यमायु योगः |

54. सूर्योदयात् जन्मसमयावधि भवति-

- | | |
|----------------|--------------|
| (1) इष्टकालः | (2) नतकालः |
| (3) उन्नत कालः | (4) सौर कालः |

55. उदयादुयम् यावत् भवति-

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) सावनम् | (2) नक्षत्रम् |
| (3) चान्द्रम | (4) सौरम् |

56. सिंहे मूलगिकोयम् भवति सूर्यस्य-

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (1) दशांशावधि | (2) पञ्चांशाः |
| (3) विंशत्यंशाः | (4) अंशत्रयावधि |

57. सूर्यपुत्रः वृक्षान् जनपति-

- | | |
|-----------------|--------------|
| (1) दुर्भगान् | (2) स्थूलान् |
| (3) क्षीरोपेतान | (4) कटुकान |

58. राहोः जमलिः भवति-

- | | |
|------------|--------------|
| (1) संकरः | (2) चाण्डालः |
| (3) द्विजः | (4) शूद्रः |

59. विप्रवर्गैः ग्रहो स्तः

- | | |
|------------------|----------------|
| (1) सूर्यचन्द्रौ | (2) गुरुशुक्रौ |
| (3) राहुकेतू | (4) शनि भौमो |

60. त्रिषडायेशाः ग्रहः भवन्ति-

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) शुभाः | (2) सोम्याः |
| (3) निर्बलः | (4) पापाः |

61. ग्रहेषु वाणीदायकः अस्ति-

- | | |
|-----------|-----------|
| (1) गुरुः | (2) बुधः |
| (3) शनिः | (4) राहुः |

62. ग्रहेषु नेता अस्ति-

- | | |
|------------|--------------|
| (1) सूर्यः | (2) धरात्मजः |
| (3) बुधः | (4) गुरुः |

17P/253/17

63. रक्तश्याम वर्णः अस्ति-

- | | |
|------------|-------------|
| (1) सूर्यः | (2) निशाकरः |
| (3) भौमः | (4) शनिः |

64. भौमस्य देवः अस्ति-

- | | |
|----------------|------------|
| (1) अग्निः | (2) वरुण |
| (3) कार्तिकेयः | (4) हनुमान |

65. रविभौमगुरवः सन्ति-

- | | |
|------------------|--------------|
| (1) स्त्रीग्रहाः | (2) नपुंसकाः |
| (3) पुरुषग्रहाः | (4) किन्नराः |

66. आकाश तत्त्वमस्ति-

- | | |
|-----------|--------------|
| (1) गुरोः | (2) शुक्रस्य |
| (3) शनेः | (4) बुधस्य |

67. अस्थिधातोः कारकः अस्ति-

- | | |
|----------|------------|
| (1) शनिः | (2) गुरुः |
| (3) भीमः | (4) सूर्यः |

68. जलाशय स्थानम् अस्ति-

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) शुक्रस्य | (2) चन्द्रस्य |
| (3) सूर्यस्य | (4) भीमस्य |

69. मधुररसस्य कारकः भवति-

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) गुरुः | (2) शुक्रः |
| (3) शनिः | (4) चन्द्रः |

70. बुधेज्यौ बलिनौ भवतः

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) दक्षिणे | (2) पश्चिमे |
| (3) उत्तरे | (4) पूर्वे |

71. कृष्णपक्षे बलिनः भवन्ति-

- | | |
|-------------|--------------|
| (1) सौम्या | (2) शुभाः |
| (3) क्रूराः | (4) निर्बलाः |

72. रक्तक्षोम वस्त्रम् भवति-

- | | |
|--------------|------------|
| (1) सूर्यस्य | (2) इन्दोः |
| (3) भृगोः | (4) शनेः |

73. ऋतुः भवति वसन्तः-

- | | |
|---------------|-------------|
| (1) चन्द्रस्य | (2) भीमस्य |
| (3) भृगोः | (4) मन्दस्य |

74. मनुयुक् परमोच्चांशाः सन्ति-

- | | |
|------------|---------------|
| (1) कुजस्य | (2) भास्करस्य |
| (3) गुरोः | (4) चन्द्रस्य |

75. नरवांशाः परमनीचांशाः भवन्ति-

- | | |
|--------------|-----------|
| (1) तुलायाम् | (2) मेषे |
| (3) मीने | (4) कर्के |

17P/253/17

76. चन्द्रस्य नारी स्तः-

- | | |
|---------------------|------------|
| (1) रविचन्द्रपुत्रौ | (2) सिताकौ |
| (3) सूर्यसितौ | (4) सशुकौ |

77. दशायबन्धुसहजस्वान्त्यस्थाः भवन्ति-

- | | |
|--------------------|--------------------|
| (1) तत्कारो शत्रवः | (2) तत्कारो सुहृदः |
| (3) निर्बला | (4) समाः |

78. पुच्छास्यसंल्लानः कः राशिः ?

- | | |
|-----------|----------|
| (1) धनुः | (2) मीनः |
| (3) कन्या | (4) मेषः |

79. चन्द्रहोरेणाः भवन्ति-

- | | |
|------------|-------------|
| (1) पितरः | (2) देवताः |
| (3) यक्षाः | (4) पिशाचाः |

80. अन्तिम देष्काणस्याधिपतिः भवति-

- | | |
|---------------|-------------|
| (1) नारदः | (2) अगस्तिः |
| (3) दुर्वासाः | (4) वशिष्ठः |

81. तृतीयचतुर्थांशस्य स्वामी भवति-

- | | |
|-------------|------------|
| (1) सनकः | (2) कुमारः |
| (3) सनन्दनः | (4) सनातनः |

82. विषमराशौ अन्तिम सप्तमांशस्य नाम अस्ति-

- | | |
|------------|---------------|
| (1) क्षारः | (2) क्षीरः |
| (3) दधि | (4) शुद्धजलम् |

83. देवाः नृराक्षसाः स्वामिनः चरगृहादिषु भवन्ति-

- | | |
|----------------|---------------|
| (1) द्वादशांशे | (2) नवांशे |
| (3) सप्तमांशे | (4) त्रिंशंशे |

84. समराशिषु दशमांशे अन्तिम दशांश स्वामी भवति-

- | | |
|-------------|-----------|
| (1) इन्द्रः | (2) यमः |
| (3) अग्निः | (4) वायुः |

85. विषमराशिषु दशमांशे प्रथम दशांश स्वामी कः

- | | |
|------------|-------------|
| (1) यमः | (2) इन्द्रः |
| (3) अग्निः | (4) कुबेरः |

86. चतुर्थद्वादशांश स्वामी भवति-

- | | |
|-----------|-------------------|
| (1) गणेशः | (2) अश्विनीकुमारः |
| (3) यमः | (4) सर्पः |

87. 'अजविष्णू हरः सूर्यो हयोने युग्मे प्रतीपकम्' भवति-

- | | |
|----------------|--------------|
| (1) द्वादशांशे | (2) षोडशांशे |
| (3) विशंशे | (4) नवांशे |

88. विषमराशौ अन्तिमविंशतिशस्य स्वामिनी भवति-

- | | |
|------------|--------------|
| (1) सुमुखी | (2) त्रिपुरा |
| (3) जया | (4) वरदा |

89. चतुर्विंशतिशवर्गे विषमराशौ प्रथमः स्वामी भवति-

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) भीमः | (2) मदनः |
| (3) गोविन्दः | (4) स्कन्दः |

90. सप्तविंशतिशवर्गे अधीशाः भवन्ति-

- | | |
|-------------|------------------|
| (1) राशियाः | (2) नक्षत्रेशयाः |
| (3) योगेशः | (4) करणेशः |

91. पञ्चस्वराग्रन्थस्य रचयिता कः ?

- | | |
|-------------------|-------------|
| (1) आर्यभट्टः | (2) भास्करः |
| (3) प्रजापति दासः | (4) केशवः |

92. पञ्चस्वराग्रन्थमतेन अरिष्टावधिः वर्तते-

- | | |
|-------------------------|-------------------|
| (1) चतुर्विंशति वर्षाणि | (2) द्वादशवर्षाणि |
| (3) अष्टौवर्षाणि | (4) विंशतिवर्षाणि |

93. मतान्तरेण अशिष्टप्रमाणम् प्रजापतिदासोक्तं किम् ?

- | | |
|----------------------|---------------------|
| (1) दशवर्षाणि | (2) नेवनेत्रवर्षाणि |
| (3) त्रिंशत्तवर्षाणि | (4) आद्वादशाब्दम् |

94. केतुपताकी चक्र जनित वर्षेषु चर्मरोगः कस्य फलम् ?
- | | |
|--------------|---------------|
| (1) सूर्यस्य | (2) चन्द्रस्य |
| (3) भौमस्य | (4) शनेः |
95. केतुकुण्डल्यां नक्षत्रक्रमः कुतः स्थाप्यते?
- | | |
|--------------------|--------------|
| (1) अहिर्बुध्यादिः | (2) यमादि |
| (3) अम्बुपादि | (4) वरुणादिः |
96. पञ्चस्वरेषु अन्तिम स्वरस्य बालादि संज्ञा का ?
- | | |
|------------|----------|
| (1) बालः | (2) युवा |
| (3) वृद्धः | (4) मृतः |
97. पञ्चस्वरेषु तृतीयस्वरस्य उदितादि संज्ञा का ?
- | | |
|--------------|---------------|
| (1) उदितम् | (2) भ्रान्तम् |
| (3) भ्रमितम् | (4) अस्तम् |
98. सर्वसिद्धिं कः स्वरः धत्ते?
- | | |
|----------|------------|
| (1) बालः | (2) कुमारः |
| (3) युवा | (4) वृद्धः |
99. दाने देवार्चने कः स्वरः भव्यः?
- | | |
|------------|------------|
| (1) कुमारः | (2) वृद्धः |
| (3) युवा | (4) मृतः |

17P/253/17

100. "चन्द्रसूर्यगृहे राहुश्चन्द्रः सूर्ययुतो यदि सौरिभौमेक्षितं लग्नम्" यदि भवते जातकः किमज्जीवति?

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) सप्ताहम् | (2) वर्षम् |
| (3) वक्षमैकम् | (4) अयनप्रमाणम् |

101. वृषस्य प्रथमे भागे (द्रेष्काणे) भवेन्नारी-

- | | |
|--------------|------------------|
| (1) पतिव्रता | (2) पितुःप्रियाः |
| (3) कुलधनी | (4) वशंवदा |

102. लग्नात् व्ययगतो राहुः ध्रुवं कारयेत् (पापक्षेत्रे)

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) पातित्यम् | (2) मिथ्यावादम् |
| (3) स्तेनकर्म | (4) पापकर्तारम् |

103. 'अष्टमस्थो यदा सोमः रवियुक्तो भवेद्यदि' कः योगः ?

- | | |
|------------------|-------------------|
| (1) चक्षुनाशकः | (2) दीर्घायुप्रदः |
| (3) शिरश्छेदयोगः | (4) काणयोगः |

104. कुम्भस्य प्रथमे भागे (द्रेष्काणे) भवति-

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (1) स्थूलदन्तकः | (2) अस्थिरबुद्धिः |
| (3) धन्वी | (4) महान् |

105. वृश्चिके कस्मिन् द्रेष्काणे परुषः तस्करो भवति?

- | | |
|------------|------------------|
| (1) प्रथमे | (2) द्वितीये |
| (3) तृतीये | (4) कस्मिन्नपि न |

106. वेदाङ्गज्योतिषम् केन प्रणीतम् ?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) व्यासेन | (2) मनुना |
| (3) वसिष्ठेन | (4) लगधमुनिना |

107. अथर्वज्योतिषे कतिश्लोकाः सन्ति ?

- | | |
|---------|--------|
| (1) 162 | (2) 36 |
| (3) 49 | (4) 33 |

108. मुहूर्तमार्तण्ड ग्रन्थस्य रचयिता कः ?

- | | |
|--------------|-------------|
| (1) श्रीरामः | (2) नारायणः |
| (3) गणेशः | (4) वराह |

109. मुहूर्तचिन्तामणिः कस्मिन् शकाब्दे प्रणीतः ?

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) 1522 शके | (2) 1493 शके |
| (3) 1442 शके | (4) शकपञ्चमे |

110. षट्पञ्चाशिका कस्य कृतिः ?

- | | |
|------------------|----------------|
| (1) कल्याणवर्मणः | (2) पृथुयशसः |
| (3) भट्टोत्पलस्य | (4) गोविन्दस्य |

111. स्त्रीजातके "सप्तमे सिंहिकापुत्रे" किं फलम् ?

- | | |
|------------------------|-----------------|
| (1) सुखान्विता | (2) पतिद्यातिनी |
| (3) कुलदोष विवर्द्धिनी | (4) गुणज्ञा |

112. गभीरा दक्षिणावर्ता नाशी भवति-

- | | |
|--------------------|-------------|
| (1) भोगविवर्द्धिनी | (2) भेकोदरी |
| (3) पुत्रजननी | (4) वेश्या |

113. विनतस्कन्धा भवति-

- | | |
|--------------|------------------|
| (1) सुखप्रदा | (2) पुत्रिणी |
| (3) कामान्धा | (4) रतिवर्द्धिनी |

17P/253/17

114. स्थूलग्रीवाः नारी भवति-

- | | |
|---------------|---------------|
| (1) दासिका | (2) विधवा |
| (3) धवत्यक्ता | (4) पतिप्रिया |

115. सदा धनवती नारी भवति-

- | | |
|----------------|--------------------|
| (1) विडालाक्षी | (2) गजाक्षी |
| (3) पिङ्गाक्षी | (4) मधुपिङ्गललोचना |

116. सूर्यमन्दोच्चम् भवति-

- | | |
|-------------------|-------------|
| (1) नरवांशाः | (2) रदांशाः |
| (3) अष्टद्रयोऽशाः | (4) दिगंशाः |

117. रवविधुतान भवाः कस्य ध्रुवः

- | | |
|-----------|----------------|
| (1) तरणेः | (2) सितरूचः |
| (3) अगो | (4) क्षितिभुवः |

118. द्वयब्धोनितशक ईशहत् फलं भवति-

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) अहर्गणम् | (2) अधिशेषः |
| (3) क्षयः | (4) चक्रख्यम् |

119. नवहत्तदिनसङ्गः भवति-

- | | |
|-------------------|------------|
| (1) चन्द्रतुङ्गम् | (2) शुक्रः |
| (3) सूर्यः | (4) अग्रः |

120. मेषादिगे सायनभागसूर्ये दिनार्धभा भवति-

- | | |
|-----------|-----------|
| (1) अग्रा | (2) पलभा |
| (3) शंकुः | (4) तिथिः |

17P/253/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

23

P.T.O.

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।

0121